डॉ. अश्विनी कुमार, भा.व.से., महानिदेशक,
भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून का आफरी दौरा
10-11 अक्तूबर 2014

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून, उत्तराखण्ड के महानिदेशक डॉ. अश्विनी कुमार, भा.व.से. ने दिनांक 10-11 अक्टूबर को शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी), जोधपुर का दौरा किया। अपने आफरी प्रवास के दौरान महानिदेशक महोदय ने संस्थान में संचालित हो रही विभिन्न परियोजनाओं की समीक्षा की। 10 अक्तूबर 2014 को सर्वप्रथम श्री एन. के. वासु, भा.व.से., निदेशक आफरी द्वारा आफरी संस्थान के बारे में प्रस्तुतीकरण किया गया। तदउपरांत आफरी के सभी प्रभागाध्यक्षों द्वारा उनके प्रभाग में चल रही विभिन्न परियोजनाओं का प्रस्तुतीकरण किया गया। महानिदेशक महोदय ने प्रस्तुतीकरण के दौरान प्रत्येक प्रभाग से विस्तृत चर्चा कर परियोजनाओं से संबन्धित सुझाव भी दिये। उन्होने एक ही परियोजना से कई उद्देश्य पूरे करने और अनुसंधान कार्य के लिए प्राथमिकताएँ तय करने पर ज़ोर दिया ताकि सीमित संसाधनों में अधिक से अधिक अनुसंधान कार्य किया जा सके। महानिदेशक महोदय ने इसी दिन आफरी के विभिन्न प्रयोगशालाओं और निर्वचन केंद्र का भी निरीक्षण किया। महोदय ने संस्थान के समस्त अधिकारियों/वैज्ञानिको/कर्मचारियों को आफरी सभागार में संबोधित किया, उनकी व्यक्तिगत समस्याओं को सुना और उनका समाधान करने का आश्वासन दिया। सम्बोधन में उन्होने सभी अधिकारियों/वैज्ञानिको/कर्मचारियों से टीम भावना रखकर उत्कृष्ट कार्य करने का आव्हान किया तथा भारत देश के सकल घरेलू उत्पाद (जी.डी.पी.) में अधिकाधिक योगदान करने को कहा।

अगले दिन दिनांक 11 अक्टूबर 2014 को उन्होने आफरी के विभिन्न प्रायोगिक क्षेत्रों का भ्रमण कर वहाँ चल रहे अनुसंधान कार्यो को देखा और उन पर अपने सुझाव दिये।

उन्होने स्थानीय मीडिया के पत्रकारों/संपादकों को एक प्रेस-कॉन्फ्रेंस के दौरान दिये गए साक्षात्कार के दौरान जलवायु परिवर्तन, वनों की उत्पादकता एवं अन्य विषयों पर अपने विचार प्रकट किए तथा जलवायु परिवर्तन से पैदा होने वाली चुनौतियों से अवगत कराया और उनसे लड़ने हेतु समन्वित रूप से प्रयास करने का आव्हान किया। उन्होने पत्रकारों के प्रश्नो का उत्तर देते हुए बताया कि मरू क्षेत्र में

अधिकाधिक रूप से वृक्षारोपण करने, वनो की उत्पादकता बढानें एवं औषधीय पौधो की खेती से स्थानीय लोगों की आर्थिक उन्नति एवं पर्यावरण संरक्षण दोनो कार्य किये जा सकते है।

डॉ. अश्विनी कुमार ने वानिकी क्षेत्र में सर्टिफाइट बीजों हेतु कार्य करने की आवश्यकता प्रतिपादित की । उन्होंने वैज्ञानिकों से मुलैठी, ढाक, गम, अश्वगंधा, करंज, गुग्गुल आदि पर विस्तृत कार्य तथा उनसे प्राप्त उत्पादों का मूल्य संवर्धन करने का आह्वान किया ।

आफरी निदेशक श्री एन. के. वासु ने आफरी संस्थान आकर मार्गदर्शन करने हेतु महानिदेशक महोदय को धन्यवाद प्रेषित किया।

महानिदेशक महोदय के आफरी दौरे के कुछ छायाचित्र

वैज्ञानिकों / अधिकारियों को प्रस्तुतीकरण के दौरान संबोधित करते हुए

आफरी सभागार में अधिकारियों / वैज्ञानिकों / कर्मचारियों को संबोधित करते हुए

महानिदेशक महोदय विभिन्न प्रयोगशालाओं का निरीक्षण करते हुए

जी.आई.एस प्रयोगशाला

बायो कंट्रोल प्रयोगशाला

निर्वचन केंद्र

मोलिक्यूलर बायोलजी प्रयोगशाला

उपकरण प्रयोगशाला

बीज प्रयोगशाला